हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 19 | श्रावस्ती, बुधवार 25 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं, ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए।

100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।श प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग के लिए निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, श्भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है।

कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अभी हाल ही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी– वन अर्थ, वन हेल्थ यानी एक धरती एक स्वास्थ।

इससे पहले भी भारत ने विश्व कल्याण के लिए वन वर्ल्ड, वन हेल्थ जैसे पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने जी20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखा था– ववन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

सीजफायर टूटने पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप!

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजरायल के अलग अलग शहरों में रेड सायरन बजते नजर आ रहे हैं। सीजफायर के बाद भी ईरान के हमले जारी हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि सीजफायर के बाद भी ईरान ने इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इजरायल के शहरों में जबरदस्त धमाका देखने को मिल रहा है और लोगों की जान जा रही है। इन सब के बीच डोनाल्ड ट्रंप फिर से ईरान को चेताते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि सीजफायर का उल्लंघन न करें क्योंकि सीजफायर लागू हो चुका है। ईरान ने मंगलवार को इस बात से इनकार किया कि उसने पिछले कुछ घंटों में इजराइल पर मिसाइल दागी है, जबकि इजराइल ने आरोप लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की घोषणा के बाद उसने ऐसा किया है। ईरानी सेना के जनरल स्टाफ ने पिछले कुछ घंटों में ईरान द्वारा कब्जे वाले क्षेत्रों (इजरायल) पर मिसाइल दागे जाने से इनकार किया।

रक्षामंत्री ने राष्ट्रपति के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स–वॉल्यूम–2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान–खंड–2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई–संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे।

अनंतनाग में आतंकवादियों का मददगार को गिरफ्तार, पुंछ में सुरक्षा बलों का जारी है तलाश अभियान

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को लगभग 12 स्थानों पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राष्ट्रीय राइफल्स ने सुबह छह बजे से सुरनकोट और मेंढर में संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान सुरनकोट के सरी, उस्तन, पठानखोर, लोहार मोहल्ला, चांदीमढ़, फागल, हरि टॉप और मेंढर के उचाद एवं कल्लर–गुरसाई में जारी है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले से आतंकवादियों के एक मददगार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यहां जानकारी दी। सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बिजबेहरा शहर से बुरहान अमीन मलिक को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के मददगार के कब्जे से एक हथगोला बरामद किया गया। आपको बता दें कि जहां एक तरफ भारतीय सेना का तलाशी अभियान आतंकी की जड़े काटने के लिए जारी हैं वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को कहा कि उसने पहलगाम आतंकवादी हमले में संलिप्त आतंकवादियों की पहचान के बारे में ठोस सबूत जुटाए हैं।

संघीय एजेंसी ने यह भी कहा कि उचित समय पर विवरण को सार्वजनिक किया जाएगा। आतंकवाद रोधी एजेंसी जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जांच कर रही है जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक

बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई, चार राज्यों के मुख्यमंत्री रहे मौजूद

वाराणसी (एजेन्सी)। वाराणसी जिले में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। इस दौरान अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल रहे। इनमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव मौजूद रहे। बैठक के बाद सभी ने साथ में लंच किया। नदेसर स्थित ताज होटल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई। बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उन मुद्दों पर भी चर्चा हुई जो बिना केंद्र की सहायता के मुद्दे राज्य सुलझा नहीं सकते हैं। इसमें राज्य की संपत्ति, पानी विवाद या सीमा विवाद से जुड़े मामले भी हो सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक विकास, पर्यावरण, कानून व्यवस्था समेत कई अन्य मुद्दों पर भी बात की गई। शाह सोमवार की शाम काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने स्वागत किया।

यहां से वह सीधे कालभैरव के दर्शन के लिए गए। रास्ते में 13 जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका हर हर महादेव के उद्घोष, शंखध्वनि के साथ स्वागत किया। सीएम योगी ने ताज होटल में सभी अतिथियों को रात्रि भोज दिया। इसमें शाह के साथ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव मौजूद रहे। गृहमंत्री अमित शाह काशी में मंगलवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। इस बैठक में भाजपा शासित चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए हैं। इससे पहले उत्तराखंड मेजबान था और वीडियो कार्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई थी। तब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी। बैठक में वहां के सीएम की जगह राज्य के गृहमंत्री शामिल हुए थे। शाह सोमवार की शाम काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने स्वागत किया। यहां से वह सीधे कालभैरव के दर्शन के लिए गए। रास्ते में 13 जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका हर हर महादेव के उद्घोष, शंखध्वनि के साथ स्वागत किया। सीएम योगी ने ताज होटल में सभी अतिथियों को रात्रि भोज दिया। इसमें शाह के साथ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव मौजूद रहे। मंगलवार की सुबह 11 बजे से नदेसर स्थित ताज होटल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई।

बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में उन मुद्दों पर भी चर्चा होगी जो बिना केंद्र की सहायता के मुद्दे राज्य सुलझा नहीं सकते हैं।

राजनाथ व डोभाल ड्रैगन के खिलाफ चीन से संभालेंगे कमान, US से पोजिशन संभालेंगे जयशंकर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पाकिस्तान का दोस्त चीन एक बार फिर सुर्खियों में है क्योंकि वह इस सप्ताह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों और रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए जहां एनएसएस अजीत डोभाल पहुँच चुके हैं वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी बुधवार को चीन के लिए उड़ान भरने वाले हैं। इस तरह एक ओर रक्षा मंत्री और एनएसए ने जहां चीन को समझाने के लिए कमान संभाल रखी है तो दूसरी ओर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन को घेरने के लिए अमेरिका में पोजिशन ले ली है। देखा जाये तो भारत की यह त्रिमूर्ति चीन को समझाने और उसके नहीं समझने पर उस पर दबाव बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। हम आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले महीने चले सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तान की खुल कर मदद करने वाला चीन इस समय भारत से आंखें नहीं मिला पा रहा है। एनएसए की चीन यात्रा की बात करें तो आपको बता दें कि सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को पाकिस्तान के समर्थन का परोक्ष उल्लेख करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सोमवार को बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने की आवश्यकता पर बल दिया।

तेज प्रताप ने सरकार से मांगी सुरक्षा

बिहार (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित नेता तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता ने देखा है कि किस तरह पार्टी के चार–पांच सदस्यों की श्साजिशश के कारण उन्हें राजद से निष्कासित किया गया। तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता उनकी असलियत जानती है और वह सभी से जल्दी घुलमिल जाते हैं। तेज प्रताप ने दावा किया कि राजद के उन चार–पांच लोगों ने उनका दुरुपयोग किया।

अब विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत देते हुए यादव ने कहा कि अब वह आम लोगों के बीच जाएंगे और लोग ही उन्हें न्याय दिलाएंगे। तेज प्रताप यादव ने एएनआई से कहा कि जिस तरह से यह घटना हुई और किसके द्वारा हुई। जिस तरह से मुझे 4–5 लोगों ने साजिश के तहत पार्टी से निकाला, उसे बिहार की जनता ने देखा है।

ऑपरेशन सिंधूर के तहत भारतीय नागरिकों की लगातार हो रही वतन वापसी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इस्राइल–ईरान तनाव के बीच ऑपरेशन सिंधू के तहत भारतीय नागरिकों की वतन वापसी का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को इस्राइल से 549 भारतीय नागरिकों को लेकर वायुसेना के तीन विमान नई दिल्ली पहुंचे। पहले विमान में 161, दूसरे विमान में 165 और तीसरे विमान में 268 भारतीय नागरिक लाए गए। भारतीय नागरिकों का एयरपोर्ट पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पाबित्रा मार्गेरीटा और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने स्वागत किया। इसे लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया कि ऑपरेशन सिंधु का इस्राइल चरण 23 जून 2025 को शुरू हुआ। इसमें

इस्राइल से लौटे 594 भारतीय नागरिक, MEA बोला- विदेश में भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

जॉर्डन से 161 भारतीय नागरिकों का पहला जत्था स्वदेश लाया गया। इसके बाद वायुसेना का सी–17 विमान इस्राइल से 165 यात्रियों को वापस लेकर आया। वहीं मंगलवार दोपहर को तीसरा विमान 268 नागरिकों को लेकर भारत आया। इससे पहले मशहद से नई दिल्ली पहुंचे एक विशेष विमान से 292 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला गया। अब तक 2295 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया जा चुका है। इस्राइल से लौटे बुजुर्ग दंपती त्रियंबक कोली ने कहा कि मुझे इस्राइल में डेढ़ महीना हो गया था। वहां अचानक स्थिति बिगड़ गई। हम दिन के किसी भी समय विस्फोटों की आवाज सुन सकते थे। हम डर गए थे। अब हम वापस आ गए हैं। हम प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं। हम अपने बेटे के नवजात शिशु से मिलने वहां गए थे। वे इस्राइल में ही रहेंगे। वे वापस नहीं आएंगे। हम वापस आ गए हैं। स्थिति अभी भी बिगड़ रही है। उनकी पत्नी कहती हैं कि हमने आसमान में बम (मिसाइल) देखे। उनमें से छह हमारे सिर के ऊपर से गुजरे। जब हमने यह देखा तो हम छिप गए थे। हम प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं। एक भारतीय ने कहा कि हमें वापस घर लाने के लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं। हमें भारतीय दूतावास से बहुत मदद मिली। मैं भारत सरकार और भारतीय वायु सेना का आभारी हूं। भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने निकासी प्रक्रिया के दौरान हमारी बहुत मदद की। जब हम इस्राइल में अपने घर से निकले, तब भी हमें सायरन बजते हुए सुनाई दे रहे थे। ऑपरेशन सिंधु को लेकर भारतीय वायुसेना ने कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ते तनाव के जवाब में भारतीय वायुसेना के सी–17 विमानों ने भारतीय नागरिकों और मित्र देशों के नागरिकों को निकालने के लिए जॉर्डन और मिस्र से मिशन शुरू किया। भारतीय वायुसेना जरूरत के समय देश और दुनिया भर में सहायता प्रदान करने के लिए पहले उत्तरदाताओं के रूप में प्रतिबद्ध है।

बेकाबू हुआ ईरान, इजरायल, इराक, कतर हर तरफ मचाने लगा तबाही

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ईरान ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर बड़ा हमला किया। अमेरिकी हमलों का बदला लेते हुए ईरान ने 36 घंटों के भीतर पलटवार किया और सीरिया में अमेरिकी सेना के बेस को उड़ा दिया। बताया जा रहा है कि ईरान समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी बेस पर हमला किया है। ऐसे में कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान अब पाकिस्तान में भी अमेरिकी प्रॉपर्टी पर हमला कर सकता है। इस खतरे के चलते पाकिस्तान में इतना हड़कंप मच गया है कि शहबाज शरीफ ने नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की आपातकालीन बैठक बुला ली। आपको बता दें कि ईरान ने पहले ही कहा था कि इस इलाके में जो भी अमेरिका की मदद करेगा हम उसके खिलाफ बड़ा एक्शन लेंगे। ईरान का ये बयान तब सामने आया जब कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अमेरिका के बी2 बॉम्बर्स ने ईरान के परमाणु ठिकानों को उड़ाने के लिए पाकिस्तानी एयरस्पेस का इस्तेमाल किया था। इसके बाद बवाल तब मच गया जब पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रेजा अमिरी मोगादम ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका देश इस क्षेत्र में अमेरिकी सुविधाओं और हितों को निशाना बना सकता है। इसका सीधा मतलब ये है कि इस पूरे इलाके में अमेरिका की जितनी भी प्रॉपर्टी है उसे निशाना बनाया जा सकता है।

स्टालिन ने केंद्र पर लगाया पक्षपात का आरोप

तमिलनाड (एजेन्सी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा करते हुए संस्कृत को तरजीह देने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने लिखा, ष्संस्कृत को करोड़ों मिलते हैंय तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगावय सारा पैसा संस्कृत के लिए!

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ई-पासपोर्ट रोलआउट का किया एलान

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश के पासपोर्ट अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश के पासपोर्ट अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) के अगले चरण और देशव्यापी ई–पासपोर्ट सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश में सभी पासपोर्ट अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मार्गदर्शन में आपके सराहनीय प्रयास यात्रा को आसान बनाने, वैश्विक कार्यस्थल तक पहुंच को गहरा करने और नागरिकों को सशक्त बनाने में सहायक हैं। पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 और ई–पासपोर्ट की शुरुआत के साथ विदेश मंत्रालय हमारी पासपोर्ट सेवाओं की समयबद्धता, पारदर्शिता और पहुंच को पहले बेहतर बेहतर बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।श एक्सश पर एक पोस्ट में जयशंकर ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याणश के स्तंभों के तहत पासपोर्ट सेवाओं में हुए बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने इसे विकसित भारत के लक्ष्य को पाने का केंद्रीय जरिया बताया। उन्होंने कहा, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण शासन के तीन प्रमुख स्तंभ हैं, जो हमें विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। ये सभी हमारे पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम में साफ तौर पर दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सुविधाओं में बदलाव आया है, जिसमें 2014 में 91 लाख से बढ़कर 2024 में 1.46 करोड़ पासपोर्ट जारी किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 को पहले ही पूरे देश में शुरू किया जा चुका है, जिसमें दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए उच्च–स्तरीय, उभरती हुई तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कहा, श्नागरिक–केंद्रित सेवा के अगले स्तर के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने पूरे देश में PSP V2.0 को शुरू कर दिया है।

शशि थरूर ने कर दिया साफ, बीजेपी में नहीं हो रहा शामिल, पीएम मोदी की तारीफ की बताई वजह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा की प्रशंसा करते हुए उनकी टिप्पणी भारत के आउटरीच मिशन की सफलता के संदर्भ में थी। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री की पार्टी में शामिल होने के लिए उनके संकेत नहीं हैं, जैसा कि कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है। थरूर ने कहा, ष्यह एक ऐसा लेख है जिसमें मैंने इस आउटरीच मिशन की सफलता का वर्णन किया है, जो सभी दलों की एकता को दर्शाता है।ष कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अन्य देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है। केवल भारतीय विदेश नीति है। थरूर ने कहा, ष्मैंने यह बात 11 साल पहले कही थी, जब मुझे संसद की विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, ष्यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी में शामिल होने का मेरा संकेत नहीं है।

सम्पादकीय

अब तो खुलें दुनिया की आंखें, आतंकवाद पर निर्लज्ज दोहरी नीति का परित्याग करने का समय

इजरायली हमलों से दो–चार ईरान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहते हुए उसके तीन परमाणु ठिकानों पर बम बरसाए कि ईरान आतंक का समर्थन करने वाला दुनिया का नंबर एक देश है। ईरान पर अमेरिकी हमले की विश्व भर में प्रतिक्रिया के बीच कश्मीर से आई खबर से यह स्पष्ट हुआ कि पहलगाम पर बर्बर आतंकी हमला पाकिस्तान से आए लश्कर के तीन आतंकियों ने किया था। इन तीन आतंकियों को शरण, समर्थन और सहयोग देने वाले पहलगाम के ही दो कश्मीरियों–परवेज अहमद और बशीर अहमद को एनआइए ने गिरफ्तार किया। इन दोनों ने यह माना कि उन्हें पता था कि पाकिस्तान से आए आतंकियों का इरादा क्या था। पूरी दुनिया को पता है कि इन आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों को उनका मजहब पूछकर बर्बर तरीके से मारा। इस दिल दहला देने वाले आतंकी हमले की सारी दुनिया और यहां तक कि पाकिस्तान के साथ खड़े चीन, तुर्किये आदि ने भी निंदा की, लेकिन जब भारत ने जवाब में आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ प्रमुख आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया तो कई देशों के सुर बदल गए। पाकिस्तानी सेना ने अपने आतंकी अड्डों को नष्ट किए जाने से चिढ़कर भारत पर ड्रोन और मिसाइल दागने की कोशिश की, लेकिन भारत ने उसके कई एयरबेस तबाह करने के साथ उसकी सेना को पंगु बना दिया। यह आश्चर्यजनक है कि चीन और तुर्किये तो पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़े हुए ही, अमेरिका एवं अन्य पश्चिमी राष्ट्र यह कहने से साफ–साफ बचे कि भारत ने पाकिस्तान पर जो सैन्य कार्रवाई की वह उचित है और ऐसा करना उसका अधिकार था। कई देश तो भारत को उपदेश देने लगे कि वह सैन्य टकराव टालने की कोशिश करे। जब पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना की आक्रामकता से बचने के लिए चीन, अमेरिका के साथ भारत से भी संपर्क किया तो भारत ने सैन्य कार्रवाई स्थगित कर दी, लेकिन ट्रंप इसका श्रेय लेने में जुट गए कि उन्होंने कथित संघर्ष विराम कराया और दोनों देशों को परमाणु युद्ध से बचा लिया। यह दावा सही नहीं था और अब इसकी पुष्टि हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति फर्जी दावा कर रहे थे। उनके इस दावे पर भारतीय प्रधानमंत्री ने उन्हें आईना भी दिखाया। इसके बावजूद अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान से धोखा खाने वाले ट्रंप उसे अपना प्रिय देश बताने लगे और हद तो तब हो गई जब उन्होंने पाकिस्तान के जिहादी सोच वाले सेना प्रमुख आसिम मुनीर को वाशिंगटन बुला लिया। अच्छा हो कि अमेरिका सहित विश्व के प्रमुख राष्ट्रों की आंखें खुलें और वे आतंकवाद पर अपनी निर्लज्ज दोहरी नीति का परित्याग करें। भारत को इस दोहरे आचरण के संदर्भ में अपनी बात जोर–शोर से कहनी होगी–विशेषकर पाकिस्तान के नए–पुराने हमदर्द चीन और अमेरिका के समक्ष तो और अधिक मजबूती के साथ।पूरी दुनिया को पता है कि इन आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों को उनका मजहब पूछकर बर्बर तरीके से मारा। इस दिल दहला देने वाले आतंकी हमले की सारी दुनिया और यहां तक कि पाकिस्तान के साथ खड़े चीन, तुर्किये आदि ने भी निंदा की, लेकिन जब भारत ने जवाब में आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ प्रमुख आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया तो कई देशों के सुर बदल गए। पाकिस्तानी सेना ने अपने आतंकी अड्डों को नष्ट किए जाने से चिढ़कर भारत पर ड्रोन और मिसाइल दागने की कोशिश की, लेकिन भारत ने उसके कई एयरबेस तबाह करने के साथ उसकी सेना को पंगु बना दिया। यह आश्चर्यजनक है कि चीन और तुर्किये तो पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़े हुए ही, अमेरिका एवं अन्य पश्चिमी राष्ट्र यह कहने से साफ–साफ बचे कि भारत ने पाकिस्तान पर जो सैन्य कार्रवाई की वह उचित है और ऐसा करना उसका अधिकार था।

बिहार चुनावों पर कड़ी नजर रखने जा रहे हैं विपक्षी दल

राहुल गांधी ने पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को 'फिक्स' बताकर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। उस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने महा विकास अघाड़ी पर भारी जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया था। शरद पवार की एनसीपी का तो उनके गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र में लगभग सफाया ही हो गया था, वहीं कांग्रेस 16 सीटों पर सिमटकर रह गई थी। राहुल ने कहा कि यह 'छोटे स्तर की धोखाधड़ी' नहीं थी, यह 'हमारे राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा करने वाली औद्योगिक पैमाने की धांधली' थी। उन्होंने पांच बिंदुओं में बताया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर परिणामों की पटकथा लिखी थी। भाजपा और उसके सहयोगियों ने उलटे राहुल पर आरोप लगाते हुए बयानों और ट्वीट्स की बौछार कर दी। महाराष्ट्र के भाजपा के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के लेख पर एक जवाबी लेख लिखकर अद्भुत कौशल का परिचय दिया। वहीं चुनाव आयोग ने राहुल के दावों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया, हालांकि उनके आरोपों का बिंदुवार खंडन करने से इनकार कर दिया। आयोग ने कहा कि वह ऐसा तभी करेगा, जब कांग्रेस नेता आयोग के पास आकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। महाराष्ट्र चुनाव समाप्त हो चुके हैं और अब औपचारिक शिकायत का कोई मतलब नहीं है। चुनाव आयोग यह बात जानता है। लेकिन राहुल के आरोपों की चुनाव आयोग द्वारा जांच से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के उसके सहयोगी दल भविष्य के चुनावों में हार से बचने के लिए क्या सावधानी बरतेंगे। कहते हैं जो पहले से ही चौकन्ना रहता है, वो कम गलतियां करता है। तो क्या राहुल और उनके सहयोगी चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से जांच करेंगे, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें? क्या उनके पास मतदाता सूची से लेकर उन निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने जहां वे कमजोर महसूस करते हैं, ईवीएम की सुरक्षा के लिए 24 घंटे नजर रखने और मतगणना प्रक्रिया की निगरानी करने की दृढ़ता, कठोरता और कार्यकर्ताओं की संख्या है? यह महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली सम्बंधी आरोप लगाने के बाद एक ट्वीट करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बिहार में होने जा रहे आगामी विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है।

यह भी दिलचस्प है कि उन्हें एक अप्रत्याशित नेता से समर्थन मिला। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर– जिनकी नवगठित जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला चुनाव लड़ रही है– ने कहा कि राहुल के तर्कों में दम है। पीके का हस्तक्षेप इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार थे। यह उभरता हुआ परिदृश्य बिहार के चुनावों को एक नया मोड़ देने वाला हो सकता है। पीके के समर्थन से उत्साहित राहुल की आक्रामक मुद्रा बताती है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों की कड़ी निगरानी की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल की टीम इन दिनों बिहार में ही है और पूरे चुनाव के दौरान वहीं रहेगी। वह तेजस्वी यादव के राजद कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बिहार के निर्वाचन क्षेत्र–दर–निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्र–दर–मतदान केंद्र, मतदाता सूची–दर–मतदाता सूची का खाका तैयार कर रहे हैं। प्रशांत किशोर की टीम तो इस तरह के विस्तृत चुनाव प्रबंधन में पहले से ही अनुभवी है। अगर महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव परिणामों को लेकर भी सवाल उठते हैं तो चुनाव आयोग को प्रमाणों के साथ अपना बचाव करना होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मई 2024 में हुए लोकसभा चुनाव और उसके महज पांच महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव के बीच महाराष्ट्र के मतदाताओं की संख्या में एक अजीबोगरीब उछाल आया था। दो लोकसभा चुनावों के बीच के पांच वर्षों में जहां यह संख्या 31 लाख बढ़ी थी, वहीं लोकसभा–विधानसभा चुनाव के पांच महीनों के अंतराल में यह 41 लाख बढ़ गई। राहुल ने चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदान के आंकड़ों पर भी संदेह जताया। उन्होंने कहा कि शाम 5 बजे के बाद से मतदान में अचानक उछाल आया था। मतदान केंद्रों के वीडियो फुटेज साझा करने की मांग की गई तो इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए नियमों में संशोधन कर दिया गया। महाराष्ट्र के बारे में तो अब ज्यादा कुछ नहीं हो सकता।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा।

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक–दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल–चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर–ही–भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया– कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन–मुताबिक एवं सफल–सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं।

इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु–शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा,

क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान–सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव–क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है। ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका–समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा।

हर स्तर पर जरूरी जल संरक्षण, मानसूनी वर्षा जल को सहेजना जरूरी

एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप लगाए जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूजल का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल–स्रोतों–तालाब, कुएं, बावड़ी की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। हमारे देश में औसतन 1170 मिमी पानी सालाना आसमान से नियामत के रूप में बरसता है। देश में कोई पांच लाख 87 हजार के आसपास गांव हैं। यदि औसत से आधा भी पानी बरसे और हर गांव में महज 1.12 हेक्टेयर जमीन पर तालाब बने हों तो देश की कोई एक अरब 30 करोड़ आबादी के लिए पूरे साल पीने एवं अन्य प्रयोग के लिए 3.75 अरब लीटर पानी आसानी से जमा किया जा सकता है।

पंकज चतुर्वेदी

देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश 106 प्रतिशत रह सकती है। वहीं जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। बारिश अचानक कुछ घंटे में इतनी हो जाती है कि आनंद त्रासदी में बदल जाता है और फिर जैसे ही बादल विदा हुए वह इलाका पानी की एक–एक बूंद के लिए तरसने लगता है। तिस पर अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर जल–संकट का बड़ा प्रभाव होगा। देश में हमारे पूर्वजों ने इस तरह की जल–निधियां विकसित की थीं, जो न्यूनतम बरसात में लोगों की जल जरूरतों को पूरा करने में सक्षम थीं, लेकिन आधुनिकता की आंधी में हमने ही अपनी समृद्ध विरासतों को बिसरा दिया। ये लोक परंपराएं न केवल पानी की कमी से निपटने और मानसून की तैयारी करने के व्यावहारिक तरीका थीं, बल्कि सामाजिक बंधनों को मजबूत करने, प्रकृति के प्रति सम्मान जगाने और पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान और संस्कृति को हस्तांतरित करने का माध्यम भी थीं। यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय–हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अतिरिक्त पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप लगाए जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूजल का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल–स्रोतों–तालाब, कुएं, बावड़ी की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। हमारे देश में औसतन 1170 मिमी पानी सालाना आसमान से नियामत के रूप में बरसता है।

देश में कोई पांच लाख 87 हजार के आसपास गांव हैं। यदि औसत से आधा भी पानी बरसे और हर गांव में महज 1.12 हेक्टेयर जमीन पर तालाब बने हों तो देश की कोई एक अरब 30 करोड़ आबादी के लिए पूरे साल पीने एवं अन्य प्रयोग के लिए 3.75 अरब लीटर पानी आसानी से जमा किया जा सकता है। एक हेक्टेयर जमीन पर महज 100 मिमी बरसात होने की दशा में 10 लाख लीटर पानी एकत्र किया जा सकता है। देश के अभी भी अधिकांश गांवों में पारंपरिक तालाब–जोहड़, बावड़ी, झील जैसी संरचनाएं उपलब्ध हैं। जरूरत है तो बस उन्हें करीने से सहेजने की और उनमें जमा पानी को गंदगी से बचाने की। यदि इसमें हम सफल होते हैं तो किसानों को अपने स्थानीय स्तर पर ही सिंचाई का पानी भी मिलेगा। यदि तालाब लबालब होंगे तो जमीन की पर्याप्त नमी के कारण सिंचाई–जल कम लगेगा। साथ ही खेती के लिए अनिवार्य प्राकृतिक लवण आदि भी मिलते रहेंगे।

इसी सोच के साथ केंद्र ने अमृत तालाब योजना शुरू की थी, लेकिन कहीं तकनीक का अभाव तो कहीं लापरवाही के चलते योजना के माकूल परिणाम नहीं मिले। यदि अभी भी चेत जाएं और इन सूखे तालाबों में पानी के आगम मार्ग को साफ कर दें और गाद हटा दें तो भावी जल संकट से निपट सकते हैं। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए। उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है।

प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। ऐसा तब है, जबकि इस वर्ष राज्य में प्री मानसून में सामान्य से पांच प्रतिशत ज्यादा (62.3 मिमी) बारिश हो चुकी है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अधवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा–हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है। कोसी की कुल 21 सहायक नदियों एवं नालों में से 20 गर्मी में सूख जाते हैं। इन नदियों की सफाई हो। इनके किनारे के अतिक्रमण हटें। इनको गहरा किया जाए और छोटे–छोटे डैम बना दिए जाएं। जब इनमें पानी भरेगा तो ये संरचनाएं हरियाली भी लाएंगी और खुशहाली भी। कुल मिलाकर आज देश की जल निधियों के संरक्षण और गहरीकरण की व्यापक योजना बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार और समाज, दोनों को मिलकर काम करना होगा।

इसके तहत जल निधियों के मूल स्वरूप का सर्वे किया जाना चाहिए। उन पर हुए अतिक्रमण या अवांछित निर्माण को हटाने या जल–आवक–निकासी के वैकल्पिक मार्ग निर्माण की योजना बनाई जानी चाहिए। छोटी नदियों को स्थानीय तालाब–जोहड़ से जोड़ा जाना चाहिए। इन सभी स्थानों पर पौधरोपण होना चाहिए। नदियों के किनारे गहरे भूजल रीचार्ज की व्यवस्था होनी चाहिए। शहरों में बड़ी इमारतों में रीचार्ज पिट का निर्माण किया जाना चाहिए। जाहिर है इसके लिए बहुत से विभागों का समन्वित और एकजुट प्रयास जरूरी होगा।

एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप लगाए जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूजल का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल–स्रोतों–तालाब, कुएं, बावड़ी की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। हमारे देश में औसतन 1170 मिमी पानी सालाना आसमान से नियामत के रूप में बरसता है। देश में कोई पांच लाख 87 हजार के आसपास गांव हैं। यदि औसत से आधा भी पानी बरसे और हर गांव में महज 1.12 हेक्टेयर जमीन पर तालाब बने हों तो देश की कोई एक अरब 30 करोड़ आबादी के लिए पूरे साल पीने एवं अन्य प्रयोग के लिए 3.75 अरब लीटर पानी आसानी से जमा किया जा सकता है। एक हेक्टेयर जमीन पर महज 100 मिमी बरसात होने की दशा में 10 लाख लीटर पानी एकत्र किया जा सकता है।

देश के अभी भी अधिकांश गांवों में पारंपरिक तालाब–जोहड़, बावड़ी, झील जैसी संरचनाएं उपलब्ध हैं। जरूरत है तो बस उन्हें करीने से सहेजने की और उनमें जमा पानी को गंदगी से बचाने की। यदि इसमें हम सफल होते हैं तो किसानों को अपने स्थानीय स्तर पर ही सिंचाई का पानी भी मिलेगा। यदि तालाब लबालब होंगे तो जमीन की पर्याप्त नमी के कारण सिंचाई–जल कम लगेगा। साथ ही खेती के लिए अनिवार्य प्राकृतिक लवण आदि भी मिलते रहेंगे। इसी सोच के साथ केंद्र ने अमृत तालाब योजना शुरू की थी, लेकिन कहीं तकनीक का अभाव तो कहीं लापरवाही के चलते योजना के माकूल परिणाम नहीं मिले।

पूर्वोत्तर के हमारे देशवासियों के साथ भेदभाव कब तक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई, 2025 को कहा था कि 'आज गणेश–प्रतिमाएं भी विदेशों से आती हैं। छोटी आंख वाली प्रतिमाएं, जिनकी आंखें ठीक से खुलती भी नहीं।' पूर्वोत्तर के निवासी लंबे समय से नस्ली पूर्वग्रह और हिंसा झेल रहे हैं। 2014 में दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक किशोर की हत्या के बाद बेजबरुआ कमिटी बनी थी। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय महानगरों में पूर्वोत्तर के 10 में से 9 लोगों को नस्ली भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्वोत्तर की हर तीन में से दो महिलाएं किसी ना किसी प्रकार के भेदभाव की शिकार होती हैं। सबसे ताजा उदाहरण मेघालय हनीमून कांड का है, जो सुर्खियों में छाया रहा है। सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत खबरों के जरिए एलीफेंट फॉल्स, डबल–डेकर लिविंग रूट ब्रिज, मावस्माई गुफा जैसे दर्शनीय स्थलों वाले राज्य की छवि धूमिल की गई। न केवल मेघालय, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बदनाम करने का अभियान चलाया गया। वहां के निवासियों के खानपान से लेकर उनकी कद–काठी और भाषा को भी नहीं बख्शा गया। सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा बहुत कम आधिकारिक डेटा है, जो पूर्वोत्तर के निवासियों के योगदान को बताता हो, खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी, विमानन और स्वास्थ्य क्षेत्र में। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। पांच साल बाद यह आंकड़ा और बढ़ा ही होगा। सर्वे में सामने आया कि इनमें से अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में हैं। मेरा पूर्वोत्तर से पुराना नाता और विशेष लगाव है। 1991 में मैने एडवरटाइजिंग की नौकरी छोड़कर क्विज शो करना शुरू किया। शुरुआती सालों में ये क्विज गुवाहाटी, शिलॉन्ग, कोहिमा, इम्फाल, दीमापुर समेत पूर्वोत्तर के कई शहरों में हुए थे। ये शो एक इंस्टैंट नूडल्स ब्रांड के प्रचार के लिए थे, जिसका उन क्षेत्रों में एक बड़ा बाजार था। हर शो के लिए मुझे 2500 रुपए मिलते थे। लेकिन साथ ही वह पूर्वोत्तर की यात्रा करने और उसे अच्छी तरह से समझने का बेहतरीन अवसर भी था। मैंने वहां के लोगों को हमेशा अपने स्वागत के लिए तत्पर पाया। जब भी कोई उनका गलत चित्रण करता है तो मुझे बेहद तकलीफ होती है। इस लेख को लिखते समय मैंने मणिपुर की 30 वर्षीय महिला तोंशिमला लीसन से बात की। वो एक प्रतिष्ठित एयरलाइन के केबिन क्रू में कार्यरत हैं। उन्होंने मुझे बताया कि एक वर्ष पहले दिल्ली मेट्रो में कुछ युवा उन्हें और मेरी मां को घूरे जा रहे थे। उन्होंने उन्हें देखकर 'चाइनीज', 'चिंकी' जैसी फब्तियां भी कसीं। उनके सहकर्मी भी उनके नामों को लेकर मजाक बनाते हैं। जहां कई याध्त्री उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ करते हैं, वहीं कई अन्य उन्हें अकसर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में हादसे के शिकार हुए एअर इंडिया विमान के केबिन क्रू की दो सदस्य भी मणिपुर से थीं। एक कुकी और दूसरी मैतेई समुदाय से थी। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुरूख की घड़ी में पूरा मणिपुर एकजुट था। कोरोना के दौरान तो पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मामले कई गुना बढ़ गए थे। दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी की ओर से हुए एक अध्ययन में सामने आया कि भारत के लोग जब चीन के लोगों की कल्पना करते हैं तो उसमें पूर्वोत्तर के लोग बिल्कुल फिट बैठते हैं। इससे उनके खिलाफ घृणा के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों संसद में मणिपुर पर दो बार चर्चा हुई। पहली बार 2023 में, जब विपक्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया और दूसरी बार इस साल अप्रैल में। गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में कहा कि '13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। बीते नवंबर से लेकर अब तक वहां कोई हिंसा नहीं हुई। इसलिए हमें गलत धारणा बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।' गृह मंत्री के भाषण से कुछ देर पहले ही आपके इस स्तम्भकार ने राज्यसभा में कहा था कि 'बीते 22 महीनों में प्रधानमंत्री ने देश–विदेश में 3.80 लाख किलोमीटर की यात्रा की है। यह दूरी पृथ्वी से चंद्रमा के बराबर है। लेकिन प्रधानमंत्री दिल्ली से 2400 किलोमीटर दूर मणिपुर नहीं जा पाए। आज हम रात के तीन बजे संसद में मणिपुर पर चर्चा कर रहे हैं।

ओपीडी में हंगामा, घंटे भर बंद रहा पंजीकरण, मरीज बेहाल

परचा बनवाने के लिए लाइन में लगे एक व्यक्ति से उम्र पूछना कर्मचारी को भारी पड़ गया

बाराबंकी (संवाददाता)। परचा बनवाने के लिए लाइन में लगे एक व्यक्ति से उम्र पूछना कर्मचारी को भारी पड़ गया। उमस भरी गर्मी में करीब घंटे भर से लाइन में लगे मरीज का इस बात को लेकर मौजूद कर्मचारी से विवाद हो गया। इस दौरान मरीज की तरफ से अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों ने परचा बनाने का काम बंद कर दिया। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के कारण इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को काफी परेशानी उठाना पड़ी।

कई मरीजों को तो बिना इलाज के ही वापस लौटने को विवश होना पड़ा। मौके पर पहुंचे सीएमएस ने कर्मचारियों को समझा बुझाकर किसी तरह से स्थिति को संभालते हुए पर्चा बनवाने का काम शुरू कराया। इसके बाद ही ओपीडी कक्ष में मरीजों को देखने का काम शुरू हो पाया। इस दौरान मरीजों को परामर्श के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। सुबह एक घंटे तक कतार में लगने के बाद करीब सवा दस बजे रियाज नामक व्यक्ति पंजीकरण कक्ष पर परचा बनवाने के लिए पहुंचा। पंजीकरण कक्ष पर मौजूद कर्मी ने उसका नाम और उम्र पूछी तो उमस व गर्मी से परेशान मरीज भड़क उठा। बोला एक घंटे से गर्मी में लाइन में लगा हुआ हूं, आधार कार्ड पर सब कुछ लिखा है। इसके बाद भी उम्र पूछकर जानबूझ कर परेशान किया जा रहा है। आरोप है कि इस दौरान मरीज द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने काउंटर पर मौजूद कर्मचारी ने काउंटर बंद कर परचा बनाने का काम बंद कर दिया। नाराज कर्मचारी पूरे मामले की शिकायत के लिए सीएमएस के पास पहुंचे। सीएमएस ने कर्मचारियों को समझा बुझाकर मामले को किसी तरह रफा दफा कराया। इस बीच करीब एक घंटे तक काउंटर पर परचा बनवाने का काम बंद रहने से कतार में लगे मरीजों को भारी परेशानी उठाना पड़ी।

कतार में लगे ज्ञान प्रकाश, हरीराम, रानीदेवी, निकिता ने बताया कि सिर्फ ओपीडी में डॉक्टरी परामर्श के लिए ही दो घंटे तक इंतजार कर परेशान होना पड़ा। इस दौरान उमस भरी गर्मी के कारण काफी संख्या में परचा बनवाने के लिए लाइन में लगे मरीजों को बिना इलाज के लिए वापस तक लौटना पड़ा।

शादी का दबाव बना रहे दबंग ने दी हत्या की धमकी

बाराबंकी (संवाददाता)। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक दबंग द्वारा घर में घुसकर महिला से लगातार छेड़छाड़ करते हुए वीडियो बनाया जा रहा है। महिला पर शादी करने और संबंध बनाने का दबाव डाल रहे दबंग ने महिला के बच्चों की हत्या तक की धमकी दी है। इससे घबराई महिला ने खुद को घर में कैद कर लिया है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई भी बंद करा दी है। एसपी के निर्देश पर शहर कोतवाली पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला का कहना है कि उसके पति काम के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहते हैं। इसी का फायदा उठा कर गांव निवासी धर्मराज आए दिन उसके साथ छेड़छाड़ कर अश्लील बातें करता है। पिछले साल परेशान महिला ने शहर कोतवाली पुलिस में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी थी तो मुकदमा दर्ज हुआ था।

अब मोबाइल एप से घर बैठे बनेगा आयुष्मान कार्ड

बाराबंकी (संवाददाता)। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए अब दौड़भाग नहीं करना पड़ेगी। जरूरतमंद अपना आयुष्मान कार्ड अब खुद घर बैठे बना सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपने मोबाइल में वेनेफिशरी एप डाउनलोड करना होगा। इसमें आधार नंबर डालते ही यह पता चल जाएगा कि आप आयुष्मान कार्ड बनवाने के पात्र है अथवा नहीं। जिले में करीब 16 लाख 80 हजार लोग ऐसे हैं जिनके आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हैं इनमें से अभी तक 10 लाख चार हजार लोगों के ही आयुष्मान कार्ड बने हैं। करीब छह लाख से ज्यादा लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनाए जा सके हैं। यह कार्ड बनवाने के लिए लोगों को जिला अस्पताल अथवा सीएचसी के चक्कर काटना पड़ रहे हैं। इस परेशानी से राहत दिलाने के लिए शासन ने अब एक एप जारी किया है। वेनेफिशरी. एनएचए.जीओवी. इन को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर अपना आयुष्मान कार्ड आसानी से बना सकते हैं। एप डाउनलोड करने के बाद अपना आधार नंबर अंकित करने पर तुरंत पता चल जाएगा कि आवेदक पात्रता की श्रेणी में आता है अथवा नहीं। यदि आप पात्रता की श्रेणी में आते हैं तो एप के जरिए ही परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं।

इससे आपको आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए अब सीएचसी से लेकर जिला अस्पताल तक की दौड़भाग से छुटकारा मिलेगा।

पत्नी के सामने बुजुर्ग को कार ने रौंदा

बाराबंकी (संवाददाता)। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को लखनऊ–सुल्तानपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पत्नी के साथ दवा लेने जा रहे बुजुर्ग को रौंदा दिया। बुजुर्ग को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया। हैदरगढ़ के रामपुर गांव निवासी जगजीवन (80) पत्नी मंगला (75) के साथ सोमवार को दवा लेने निकले थे। हाईवे पार करते समय बारा गांव के पास तेज रफ्तार कार ने जगजीवन को टक्कर मार दी। इसके बाद बिना रुके कार सवार फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल जगजीवन को सीएचसी त्रिवेदीगंज ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल परिसर में वृद्धा मंगला की आंखों से आंसू थम नहीं रहे थे। वृद्धा ने रोते हुए बताया कि पति ही खाना बनाते थे, अब कौन खिलाएगा।

मंत्री को मिले एक्सपायर रैपर, काफिले देख भागे दुकानदार

सीतापुर (संवाददाता)। ब्लॉक के सांडा कस्बे में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पहुंचे तो उनका काफिला देखकर दुकानदार दुकानें बंद कर भाग गए। मंत्री मैसर्स तराई बीज भंडार पहुंचे तो प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि ा कोई अभिलेख नहीं दिखा पाए। वहीं, दुकान पर कुछ एक्सपायर रैपर भी मिले। इस वजह से प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया। साथ ही मैसर्स एएनवी एग्रो एंड कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड को बंद कर संचालक भाग गए। मैसर्स न्यू अय्यूब खाद भंडार और मैसर्स न्यू अंसारी खाद भंडार को भी संचालक बंद कर भाग गए। कृषि मंत्री ने सभी को सीज करवाया। वहीं, बिसवां में मंत्री ने मैसर्स जुआरी फार्म हब लिमिटेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक का मिलान किया गया, जो सही पाया गया, वहां किसानों से संवाद भी किया। उनके साथ अपर कृषि निदेशक कृषि रक्षा पीएम त्रिपाठी, संयुक्त कृषि निदेशक खाद आशुतोष मिश्र व अन्य मौजूद रहे। मंत्री मैसर्स तराई बीज भंडार पहुंचे तो प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि कोई अभिलेख नहीं दिखा पाए। वहीं, दुकान पर कुछ एक्सपायर रैपर भी मिले। इस वजह से प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया।

साथ ही मैसर्स एएनवी एग्रो एंड कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड को बंद कर संचालक भाग गए। मैसर्स न्यू अय्यूब खाद भंडार और मैसर्स न्यू अंसारी खाद भंडार को भी संचालक बंद कर भाग गए। कृषि मंत्री ने सभी को सीज करवाया। वहीं, बिसवां में मंत्री ने मैसर्स जुआरी फार्म हब लिमिटेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक का मिलान किया गया,

मंत्रीजी...यहां भी महंगी मिल रही यूरिया खाद

सीतापुर (संवाददाता)। बारिश के बाद खेतों में खड़ी फसलों में यूरिया की खाद की जरूरत है, जिसके लिए किसान परेशान है। अधिकतर सहकारी समितियों पर यूरिया खाद नदारद है। मजबूर किसान निजी दुकानों का रुख कर रहे हैं। जहां दुकानदार अंकित मूल्य से अधिक में यूरिया खाद देकर किसानों को ठग रहे हैं। जिस तरह कृषि मंत्री ने जिले के कुछ स्थानों पर पड़ताल की है, इन जगहों पर भी ऐसी ही जांच की आवश्यकता है। विकास खंड सकरन की साधन सहकारी समितियों पर किसानों को यूरिया नहीं मिल रही है। निजी दुकानों पर जिंक सहित 400 रुपये में यूरिया खाद की बोरी दी जा रही है। साधन सहकारी समिति दुगाना, कजीपुर उमराखुर्द, बोहरा, खानपुर आदि में यूरिया खाद नहीं है। किसान गन्ना, धान, मक्का आदि फसलों में यूरिया खाद डालने के लिए भटक रहे हैं। किसान प्राइवेट दुकानों से 400 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से यूरिया खाद लेने को मजबूर हैं।

हैलो... किसानों को खाद नहीं मिल रही है, चेक कराइए

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सिधौली में खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया

सीतापुर (संवाददाता)। दोपहर एक बजे सिधौली में वीआईपी गाड़ियों का काफिला रुका और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सिधौली में खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान खाद की सैंपलिंग कराने के साथ किसानों की समस्याओं को उन्होंने सुना। साथ ही किसानों को कॉल कर फीडबैक भी लिया। इस दौरान एआर कॉपरेटिव की जमकर क्लास भी लगाई।

उसके बाद उन्होंने डीएम अभिषेक आनंद को फोन कर किसानों को खाद क्यों नहीं मिल पा रही है, इसको चेक कराने को कहा। बता दें कि सोमवार को अमर उजाला के संस्करण में जिले में खाद की कालाबाजारी को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। इसका संज्ञान लेकर कृषि मंत्री ने सीतापुर में औचक निरीक्षण किया। सूर्य प्रताप शाही संतनगर स्थित मेसर्स बालाजी ट्रेडर में दाखिल हुए। वहां बीज व खाद के मूल्यों की जानकारी ली। मंत्री के निर्देश पर बीज भंडार में रखी खाद की सैंपलिंग की गई। इसके बाद वे पड़ोस स्थित बाबा बीज भंडार पहुंचे। वहां प्रकाश चंद्र कनोडिया से बीज व खाद की उपलब्धता की जानकारी ली। वहां अभिलेखों का रख–रखाव सही न पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद वह इफको केंद्र पहुंचे।

वहां मंत्री के पहुंचते ही खाद का इंतजार कर रहे किसानों ने मंत्री को घेर लिया। कमलापुर निवासी आयुष कुमार ने बताया कि चार दिन से खाद के लिए दौड़ रहे हैं। सुबह आठ बजे से इफको केंद्र पर आए थे। बैजनाथ ने बताया कि पांच दिन से खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों की समस्याएं सुनकर कृषि मंत्री ने इफको केंद्र के स्टॉक को चेक किया, व अभिलेखों का अवलोकन किया। अव्यवस्थाएं देखकर मंत्री बोले कि इफको कवच पहनकर बैठे हैं, आप खाद नहीं उपलब्ध करवा पा रहे हैं।

उन्होंने संचालक को कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान उपनिदेशक कृषि डॉ. एसके सिंह, एसडीएम राखी वर्मा, जिला कृषि अधिकारी मनजीत कुमार व अन्य अफसर मौजूद रहे। साथ ही किसानों को कॉल कर फीडबैक भी लिया। इस दौरान एआर कॉपरेटिव की जमकर क्लास भी लगाई। उसके बाद उन्होंने डीएम अभिषेक आनंद को फोन कर किसानों को खाद क्यों नहीं मिल पा रही है, इसको चेक कराने को कहा। बता दें कि सोमवार को अमर उजाला के संस्करण में जिले में खाद की कालाबाजारी को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। इसका संज्ञान लेकर कृषि मंत्री ने सीतापुर में औचक निरीक्षण किया।

जुगाड़ की सीटों पर कसा शिकंजा

बाराबंकी (संवाददाता)। यातायात पुलिस ने ऑटो में अतिरिक्त कमाई के लिए जुगाड़ की सीट लगाने वाले ऑटो चालकों की जांच के लिए सोमवार को सघन अभियान चलाया। इस दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर अतिरिक्त सीट लगवाने वाले ऑटो वाहनों में लगी अतिरिक्त सीट हटवाकर कड़ी चेतावनी के बाद छोड़ा। नाका चौराहा से शुरू हुए इस चेकिंग अभियान में पुलिस ने दर्जनों ऑटो को सड़क किनारे खड़ा कर उनकी गहन जांच कर 18 ऑटो में कमाई के लिए लगी अतिरिक्त सीट को हटवाया। टीएसआई रामयतन यादव की अगुवाई में चेकिंग टीम ने नाका चौराहे पर मौजूद एक–एक ऑटो की गहनता से जांच की।

यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं

बाराबंकी (संवाददाता)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में अब कन्याओं को विदाई के दौरान पांच किलो लड्डू दिए जाएंगे। यह लड्डू उन्हें बांस की बनी टोकरी में पीले रंग के पारदर्शी रैपर से ढक कर बतौर उपहार में दिए जाएंगे। इसके साथ एक ड्राई फ्रूट की टोकरी भी होगी। विवाह में परोसे जाने वाले खाने का मेन्यू भी बदला गया है। अब विवाह भोज में पनीर, खीर, चिप्स, हलवा के अलावा कोल्ड ड्रिंक्स भी मिलेगी। इसके लिए विवाह में मिलने वाली बजट राशि को भी बढ़ाया गया है। सामूहिक विवाह योजना में अभी तक वही पात्र आवेदन कर सकते थे जिनके परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये होती थी लेकिन अब जिनकी आय तीन लाख रुपये वार्षिक है वह भी इस योजना के तहत विवाह आवेदन कर सकेंगे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार समेत तीन की मौत

संडीला-प्रतापनगर मार्ग पर बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हरदोई (संवाददाता)। संडीला–प्रतापनगर मार्ग पर बाइक सवार जीजा–साले समेत तीन लोगों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। बीती देर रात हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को सीएचसी अहिरोरी ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के झरोइया गांव निवासी सौरभ (22) पल्लेदारी करता था। वह गांव निवासी सुशील (18) और अपने बहनोई सीतापुर जनपद के पिसावां थाना क्षेत्र के कुतुबनगर निवासी अभिषेक (26) के साथ बाइक से सोमवार शाम बेनीगंज गया था। रात में करीब 8:15 बजे बेनीगंज से तीनों बाइक से वापस झरोइया जा रहे थे। संडीला–प्रतापनगर मार्ग पर बेनीगंज पावर हाउस के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया। इसी बीच सौरभ के परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीछे से सौरभ के पिता कंपट भी परिजनों के साथ अहिरोरी सीएचसी पहुंच गए। यहां चिकित्सक ने सौरभ, सुशील और अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ करने के साथ ही घटनास्थल पर जांच की है। सीतापुर जनपद के पिसावां थाना क्षेत्र के कुतुबनगर निवासी अभिषेक परदेश में निजी फैक्टरी में काम करता था। पिछले दो माह से वह गांव में ही था। पांच दिन पहले वह पत्नी ऊषा और दोनों बच्चों के साथ ससुराल छुट्टियां बिताने आया था। न सिर्फ ससुरालीजन बल्कि गांव के लोग भी उसकी खूब खातिरदारी कर रहे थे। सुशील भी पंजाब के लुधियाना में एक फैक्टरी में काम करता था। वह भी सोमवार की सुबह ही लुधियाना से गांव आया था। सुशील और सौरभ की गहरी दोस्ती थी और दोनों अविवाहित थे। झरोइया निवासी पिता कंपट पल्लेदारी करता है। उसके पांच पुत्र और एक विवाहित पुत्री है। इन दिनों बेटी और दामाद के घर आने से वह काफी खुश था। देर रात दुर्घटना की सूचना पर गांव निवासी एक व्यक्ति के साथ अहिरोरी सीएचसी पहुंचा। यहां बेटे सौरभ और दामाद अभिषेक का शव देखकर बिलख पड़ा। संडीला–प्रतापनगर मार्ग पर बेनीगंज पावर हाउस के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया।

इसी बीच सौरभ के परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीछे से सौरभ के पिता कंपट भी परिजनों के साथ अहिरोरी सीएचसी पहुंच गए। यहां चिकित्सक ने सौरभ, सुशील और अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ करने के साथ ही घटनास्थल पर जांच की है। सीतापुर जनपद के पिसावां थाना क्षेत्र के कुतुबनगर निवासी अभिषेक परदेश में निजी फैक्टरी में काम करता था।

बाईपास के लिए भूमि की पैमाइश कर दिलाया कब्जा, काम शुरू

हरदोई (संवाददाता)। शहर के बाहर–बाहर बन रहे बाईपास के लिए सोमवार को राजस्व टीम ने भूमि की पैमाइश की और कब्जा दिलाया। सधई बेहटा और हरदोई देहात में बाईपास के लिए मुआवजा लेने के बाद किसानों ने भूमि नहीं दी थी। इससे वहां पर काम भी नहीं हो पा रहा था। भूमि पर कब्जा मिलने के साथ ही काम भी शुरू करा दिया गया। एनएच–731 बनवाए जाने के साथ ही शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश को कम करने और शहर से बाहर–बाहर वाहनों के आवागमन के लिए बाईपास बनवाया जा रहा है। लखनऊ रोड पर खेतुई–मंदारा के पास बाईपास शाहजहांपुर रोड पर कोरिया गांव के पास जुड़ता है। बाईपास बनवाने के लिए सधई बेहटा और हरदोई देहात में मानचित्र के अनुसार भूमि का अधिग्रहण किया गया है। तहसील सदर के माध्यम से अधिग्रहीत की गई भूमि–भवन के बैनामा कराने के साथ ही भूमि अध्याप्ति विभाग की तरफ से मुआवजा का भुगतान भी किया जा चुका है।

ईंटों पर चलकर इलाज तक पहुंचे मरीज और तीमारदार

हरदोई (संवाददाता)। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में अव्यवस्था मरीजों और तीमारदारों के लिए आफत बन गई। ट्रॉमा सेंटर निर्माण कार्य के दौरान एक भारी वाहन चढ़ने से पानी की अंडरग्राउंड पाइपलाइन फूट गई,।

जिससे इमरजेंसी वार्ड और सेंट्रल लैब के बाहर करीब 30 मीटर तक पानी भर गया।

इस जलभराव के बीच रखे ईंटों पर चलकर मरीज और तीमारदार इलाज तक पहुंचे। मरीजों के इलाज में सहूलियत के लिए मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते ही फैली अव्यवस्था ने मरीजों और तीमारदारों को परेशानी में डाल दिया। निर्माण सामग्री लेकर आ रहे भारी वाहन से इमरजेंसी कक्ष के बाहर पानी की पाइपलाइन फूट गई। इससे इमरजेंसी कक्ष और सेंट्रल लैब जाने वाले रास्ते के लगभग 30 मीटर क्षेत्र में पानी भर गया। रविवार की शाम को पानी भरने के बाद मरीज और उनके तीमारदारों ने रास्ते में ईंट डाल कर आवागमन किया।

रविवार को फूटी पाइप लाइन से पानी बहता रहा। दोपहर बाद कर्मचारी पहुंचे और मुख्य पाइपलाइन को काटकर लीकेज को सही किया।

परिसर में शाम तक पानी भरा होने से लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ीं। प्रधानाचार्य डॉ. जेबी गोगोई का कहना है कि किसी भारी वाहन से पानी की आपूर्ति के लिए पड़ा पाइप टूट गया और इसके कारण जलभराव हो गया।

पंखा लगाते समय लगा करंट

बाराबंकी (संवाददाता)। बड्डूपुर थाना क्षेत्र के गोड़ैचा गांव निवासी तैय्यब (40) मजदूरी करता था। बीती शाम करीब छह बजे वह पंखा चलाने के लिए बोर्ड में तार लगा रहा था। इसी दौरान खुले तार के छू जाने से वह करंट की चपेट में आ गया। पत्नी ने उसे अचेत हाल में देखा तो चीख पुकार मच गई। उसे बड्डूपुर के निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। इसी दौरान खुले तार के छू जाने से वह करंट की चपेट में आ गया। पत्नी ने उसे अचेत हाल में देखा तो चीख पुकार मच गई।

एड्स का रोगी करता था यौन शोषण-ठगी, सिर्फ ऐसी खास महिलाओं को ही बनाता था निशाना

गोरखपुर (संवाददाता)। महिलाओं से यौन शोषण, ठगी और लूट के आरोपी को रविवार की रात गगहा पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। माहोपार नहर पर मुठभेड़ के दौरान दाहिने पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। आरोपी ने दो राउंड फायरिंग भी की। उसके पास से लूट का मंगलसूत्र, तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई।

चौंकाने वाली बात ये है कि आरोपी एचआईवी पॉजिटिव भी है। मेडिकल रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। देवरिया जिले के एकौना क्षेत्र की महिला ने तहरीर देकर पुलिस को बताया था कि 16 जून को गोरखपुर से गजपुर मोड़ पर पहुंची थीं। इसी दौरान बड़हलगंज थाना क्षेत्र का युवक वहां पहुंचा और पूछा कि कहां जाना है। गांव का नाम बताने पर उसने उधर ही जाने की बात कही। वह बाइक लेकर पड़पुरवा नहर पर ले गया और मंगलसूत्र लूटकर धक्का देकर उन्हें गिराकर भाग गया। आरोप है कि युवक ने कई महिलाओं को प्यार के झांसे में लेकर उनका यौन शोषण भी किया है। पुलिस रविवार की रात माहोपार नहर पुलिया पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बाइक से युवक आता दिखा। पुलिस ने रोका तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे घेर लिया। यह देख आरोपी ने पुलिस पर तमंचे से दो राउंड फायरिंग की। बचाव करते हुए पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। दाहिने पैर में गोली लगने से आरोपी गिर गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर मुंबई समेत कई थानों में सात केस दर्ज हैं। पुलिस उसका अन्य आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। अब उसकी मेडिकल रिपोर्ट में ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) की पुष्टि के बाद हड़कंप मच गया है।

पूर्व मंत्री के काफिले की गाड़ी का डंपर से टकराकर पलटी, विधायक समेत चार घायल

गोरखपुर (संवाददाता)। कैंपियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह शाम पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस–वे पर हुए सड़क हादसे में घायल हो गए। उनके काफिले में शामिल तीन अन्य लोग घायल हो गए। उनके सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं, जो गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा शाम करीब सात बजे सिकरीगंज थाना क्षेत्र के महादेवा के पास हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के पुत्र फतेह बहादुर सिंह गोरखपुर की ओर जा रहे थे, तभी उनके काफिले की एस्कॉर्ट गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। पीछे से आ रही उनकी लग्जरी कार भी स्कॉर्ट गाड़ी से टकरा गई, जिससे कार में सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में मदद की। सभी घायलों को तत्काल गोरखपुर के बक्शीपुर स्थित अग्रवाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

ई कॉमर्स प्लेटफार्म पर धोखेबाजी : ऑनलाइन शॉपिंग में रहें सतर्क...धंधेबाजों ने बिछा रखा है ठगी का जाल

गोरखपुर (संवाददाता)। बक्शीपुर की रहने वाली ब्यूटी ने अपने पति के लिए ऑनलाइन जींस और एक शर्ट बुक की थी। फेसबुक से ई–कॉमर्स के लिंक पर कपड़ों का डिजाइन अच्छा लगा और डिस्काउंट भी बंपर था।

डिलीवरी आई तो सामान कुछ और निकला। ऑनलाइन भुगतान के बाद फिर ये ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म दोबारा नहीं दिखा। यह सिर्फ एक उदाहरण है। आए दिन इस तरह की घटनाएं नियमित रूप से सामने आ रही हैं।

सोशल मीडिया के ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न से ग्राहकों को बोगस कंपनियां आर्थिक नुकसान पहुंचा रही हैं। साइबर एक्सपर्ट डॉ. रोहित तिवारी ने बताया कि किसी भी ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अगर आप शॉपिंग कर रहे हैं, तो थोड़ा सतर्क रहें। सोशल मीडिया के ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म ग्राहकों के विश्वास के साथ ठगी कर रहे हैं। ऐसे कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं, जहां खरीदारी करने के बाद रुपये गंवाने और ठगे जाने का एहसास होता है। ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर घर बैठे हजारों रुपये की खरीदारी करना बेहद आसान है। लेकिन, प्लेटफॉर्म से जुड़ी कम्पनियां किसी न किसी तरीके से उपभोक्ताओं की जेब ढीली भी कर रही हैं। घटिया सामानों पर ब्रांड चिपकाकर कीमती रेट और बंपर छूट दिखाकर कंपनियां ज्यादा पैसा भी वसूल रही हैं। कंपनियां जानती हैं कि उपभोक्ता को ऑनलाइन माध्यम से खरीदरी करने से आसानी होती है, खासकर वो ऑफर देखकर फंसेगे ही और महंगे उत्पादों को सस्ता देखकर खरीद लेंगे। ऐसे डार्क वेबसाइट के कई लिंक्स सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मिल जाएंगे। फेसबुक या किसी अन्य ऐप से ऑनलाइन खरीदारी करने से पहले कंपनी की विश्वसनीयता जरूर परख लें। डार्क पैटर्न्स ऐसा डिजिटल डिजाइन या यूजर इंटरफेस तकनीक है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रमित करना या उन्हें अनजाने में खरीदारी, सब्सक्रिप्शन या अतिरिक्त भुगतान के लिए मजबूर करना होता है। सोशल मीडिया के ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म से लोग धोखा खा रहे हैं। फ्रॉड का ये एक नया तरीका है, जो खूब चल रहा है। बिना रजिस्टर्ड ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म से खरीदारी करने से परहेज करना चाहिए। फॉल्स अर्जेसीः झूठी समय सीमा का दबाव कि एक ही पीस बचा है। बास्केट स्नीकिंगः चयनित उत्पाद के साथ अतिरिक्त उत्पाद जोड़ देना। डिलीवरी आई तो सामान कुछ और निकला। ऑनलाइन भुगतान के बाद फिर ये ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म दोबारा नहीं दिखा। यह सिर्फ एक उदाहरण है। आए दिन इस तरह की घटनाएं नियमित रूप से सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया के ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न से ग्राहकों को बोगस कंपनियां आर्थिक नुकसान पहुंचा रही हैं। साइबर एक्सपर्ट डॉ. रोहित तिवारी ने बताया कि किसी भी ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अगर आप शॉपिंग कर रहे हैं, तो थोड़ा सतर्क रहें। सोशल मीडिया के ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म ग्राहकों के विश्वास के साथ ठगी कर रहे हैं।

दवा काउंटर बढने के बजाए दो हुए कम

सीतापुर (संवाददाता)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निरीक्षण के बाद भी जिला अस्पताल के जिम्मेदार संजीदा नहीं है। डिप्टी सीएम ने भले ही पर्चा काउंटर बढ़ाने के निर्देश दिए हों, लेकिन दवा काउंटर पर जब मरीजों व तीमारदारों की भीड़ बढ़ी तो दो काउंटर कम कर दिए गए। चार में से केवल दो काउंटर खुलने से मरीज दिनभर परेशान रहे। एक मरीज को दवा लेने में एक से सवा घंटे का समय लगा। ओपीडी में करीब 3,125 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। सुबह आठ बजे से दो बजे तक हर तरफ मरीजों की कतार लगी रही। सबसे अधिक दिक्कत मरीजों को दवा काउंटर पर आई। पुरुष दवा केंद्र पर चार काउंटर बने हुए हैं, लेकिन सोमवार को केवल दो ही काउंटर खुले थे। इससे मरीजों की काफी अधिक भीड़ बढ़ गई।

स्टाप डायरिया का अभियान का शुभारम्भ विधायक राम प्रताप वर्मा फीता काट कर उद्घाटन किया।

उतरौला बलरामपुर समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला में मंगल वार को डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ विधायक राम प्रताप वर्मा ने फीता काट कर उद्घाटन किया।समुदा यिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डॉक्टर चन्द्र प्रकाश सिंह ने बच्चों में हो रहे डायरिया के कई प्रकार, के लक्षण एवं इससे बचाव के बारे में विस्तार रुप से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि गर्मी व बरसात के मौसम में डायरिया की बीमारी बच्चों को ही परेशान करती है। इस बीमारी पर प्रभावी तौर पर लगाम लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आगामी 31जुलाई तक ही चलेगा। जिसके तहत शून्य से लेकर पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया की स्थिति में ओ आर एस और जिंक की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन में तीन या तीन से अधि क बार दस्त हो तो सम झना चाहिए, कि बच्चा डायरिया से परेशान है और ऐसे में उसको तत्काल ओ आर एस का घोल देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। इस दौरान डाक्टर योगेन्द्र कुमार,अशुतोष उपाध्या य, नगर भाजपाअध्यक्ष फणींद्र कुमार गुप्ता सहित ए एन एम, आशा सहित तमाम चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे।

अंजुमने वफाएं अब्बास के द्वारा मौलाना यासूब अब्बास को खतीबे अकबर अवार्ड देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

उतरौला बलरामपुर विकास खण्ड उतरौला अन्तर्गत ग्राम पंचायत रेहरा माफी में स्थित मरहूम मोहम्मद जाहिद के इमाम बारगाह में

सोमवार की रात्रि लग भग 8 बजे से लखनऊ से आए विश्व विख्यात इस्लामिक स्कॉलर व शिया पर्सनल ला बोर्ड के जनरल सिक्रेटरी डॉक्टर यासूब अब्बास ने मुहम्मद सालिम और मुहम्मद तालिब की स्वर्गीय माता जी की चालसीवें की मजलिस को संबोधित करते हुए कहा कि अल्लाह ने कुरआने पाक में अपने बन्दों से कहा कि अगर तुमने मेरा जिक्र किया तो मै तुम्हारे जिक्र को बाकी रखूँगा। अल्लाह ने मुहम्मद और आले मुहम्मद के जिक्र को आज तक जिन्दा रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना हर हुसै नी की जिम्मेदारी है। मौजूदा दौर में ईरान ने बातिल ताकतों के खि लाफ आवाज उठाकर सारी दुनिया को बता दिया है, कि ईमाम हुसैन के मानने वाले संख्या देखकर घबराते नहीं हैं। और जुल्म पर डटकर सामना करते हैं, और कयामत तक जिन्दा रहते है। कर्बला इसकी जीती जागती मिसाल है, जब पूर्व में दुनिया अली से न जीत सकी तो आज अली के चाहने वालों को जमाना क्या हरा पायेगा।उन्होंने तमाम मुस्लिम मुल्कों की मजलुमों का साथ न देने के लिए कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए कहा कि कर्बला में भी यजीद के पास एक बहुत बड़ा लश्कर था। और ईमाम हुसैन सिर्फ बहत्तर थे। लेकिन जीत इमाम हुसैन की हुई। कल भी इमाम हुसैन का परचम बुलन्द था, और आज भी है। और ता कयामत तक रहेगा।इंशाअल्लाह जीत मजलूमों की होगी और इस समय का यजी द बे नकाब भी होगा और उसकी हार भी होगी।मजलिस से पूर्व बेताब हल्लौरी, इरफान हैदर, अम्मार हल्लौरी, शुजा उतरौलवी,जावेद हैदर ने अपना अपना कलाम पेश किया। समा पन के बाद अन्जुमने वफाये अब्बास द्वारा मौलाना यासूब अब्बास को खतीबे अकबर अवार्ड देकर उन्हें सम्मानित किया गया। मौलाना मुहम्मद अली जैदी,मौलाना जायर अब्बास, मौलाना मुहम्म द अली, मौलाना फिदा हुसैन, इमामिया ट्रस्ट के अध्यक्ष ऐमन रिजवी, अली अजहर, तौसीफ हसन, हुसैन जाफर, साजिद ईमाम, फहमीद रजा,अंसार हुसैन,मुनीर हसन, अनीस रजा, अली अब्बास, मुहम्मद हैदर,जैन जाफरी, अम्मार रिजवी,जुहेर अब्बास, मुहम्मद अज मल सहित उतरौला, अमया देवरिया, रैगावां व आस पास क्षत्रों के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

बीटेक के लिए चॉइस फिलिंग 10 जुलाई से

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू)से संबद्ध इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। वहीं अन्य कोर्स में चॉइस फिलिंग के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को विस्तृत काउंसिलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार बीटेक में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन 30 जून तक होंगे। जबकि पहले चरण में अन्य प्रक्रिया पूरी कर ऑनलाइन चॉइस फिलिंग 10 से 12 जुलाई तक होगी। इसका सीट अलॉटमेंट 14 जुलाई को होगा। फीस देकर सीट कन्फर्म 17 जुलाई तक किया जा सकेगा। सीट फ्रीज या फ्लोट (आगे बढ़ाना) भी 17 जुलाई तक किया जा सकेगा। दूसरे चरण में चॉइस फिलिंग व सीट लॉक 18 व 19 जुलाई को, सीट अलॉटमेंट 21 जुलाई को, सीट फ्रीज या फ्लोट 21 से 23 जुलाई तक, सीट कन्फर्मेशन शुल्क 21 से 23 जुलाई तक और सीट विड्रॉ (वापस लेना) 21 से 23 जुलाई तक होगा।

विलीन हुई रियासतों के समय के धार्मिक स्थलों का होगा जीर्णोद्धार, जिलों से मांगे गए प्रस्ताव

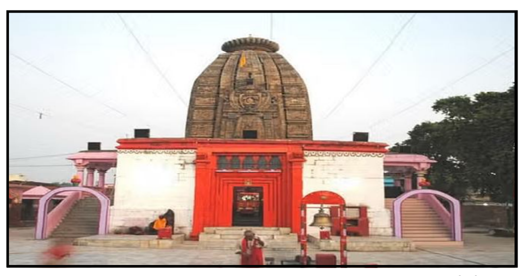

लखनऊ (संवाददाता)। आजादी के बाद प्रदेश में स्वतंत्र रियासतें सरकार में विलीन हो गईं। उस समय सार्वजनिक प्रयोग में धार्मिक स्थल भी राज्य सरकार के अधीन हो गए थे। प्रदेश सरकार ने विलीन हुई रियासतों के धार्मिक स्थलों के रखरखाव, उनके संरक्षण व सुदृढ़ीकरण का निर्णय लिया है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य विभाग ने विस्तृत नियमावली बनाई है। साथ ही जिलों से इसके लिए प्रस्ताव मांगा है। धर्मार्थ कार्य विभाग ने कहा है कि योजना के तहत उन मंदिरों के जीर्णोद्धार को वरीयता दी जाएगी, जहां अधिक श्रद्धालु व पर्यटक आते हो। वे ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक व पौराणिक महत्व के हो। डीएम द्वारा जीर्णोद्धार की संस्तुति करने से पहले संबंधित मंदिर का स्थलीय निरीक्षण व सर्वे किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि उसकी भूमि पर राज्य सरकार का स्वामित्व है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य निदेशालय द्वारा तकनीकी समिति का गठन कर धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार संबंधित प्रस्तावों का परीक्षण किया जाएगा। इस समिति में पुरातत्वविद, मंदिर वास्तु विशेषज्ञ को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। यह अपनी स्पष्ट आख्या शासन को उपलब्ध कराएंगे। शासन स्तर पर अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव की अध्यक्षता वाली समिति इनके जीर्णोद्धार से जुड़ा निर्णय लेगी। धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम की ओर से निदेशक धर्मार्थ कार्य को दिए निर्देश में कहा गया है कि इस समिति की संस्तुति पर संबंधित स्थल का पुरातत्व निदेशालय व इंटैक जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं के माध्यम से संरक्षण, जीर्णोद्धार व अनुरक्षण कराया जाएगा।

स्टांप विभाग के 88 उपनिबंधकों और 114 कनिष्ठ सहायकों का ट्रांसफर निरस्त, सीएम योगी ने दिया आदेश

लखनऊ (संवाददाता)। स्टांप एवं पंजीयन विभाग में आईएएस अधिकारी समीर वर्मा के फंसने के बाद सोमवार को शासन ने सभी 202 ट्रांसफर निरस्त कर दिए। निरस्तीकरण के आदेश के साथ ही विभाग में खलबली मची है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टालरेंस रुख के बाद स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने इस मामले की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। स्टांप व पंजीयन विभाग में उप–निबंधकों और कनिष्ठ सहायकों के स्थानांतरण व नियुक्ति के मामले में प्रदेश भर से तमाम शिकायतें स्टांप व पंजीयन मंत्री को मिल रही थीं। जिसमें आईएएस अधिकारी आईजी स्टांप समीर वर्मा पर गंभीर आरोप गए थे। रवीन्द्र जायसवाल ने इस मामले की शिकायत लिखित में स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी। इस पर उन्होंने सभी स्थानांतरण तत्काल स्थगित करने तथा मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। बृहस्पतिवार को 59 कार्यरत व 29 नव–प्रोन्नत उप–निबंधकों और 114 कनिष्ठ सहायकों के स्थानांतरण में अनियमितता मिलने पर रोक लगा दी गई थी। सोमवार को प्रमुख सचिव स्टांप ने सभी 202 ट्रांसफर निरस्त करने का शासनादेश जारी कर दिया। इसी के भ्रष्टाचार के आरोपों में लिप्त मुख्यालय से लेकर जिलों में तैनात अधिकारियों की जांच शुरु हो गई है। इसके अलावा मोटी रिश्वत देकर मलाईदार पोस्टिंग पाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की गोपनीय समीक्षा भी की जा रही है।

स्टांप एवं पंजीयन मंत्री ने रिश्वत देकर कुर्सी पाने वाले या लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टालरेंस रुख के बाद स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने इस मामले की गहन जांच के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ में युवाओं को नौकरी का सुनहरा मौका

लखनऊ (संवाददाता)। आईटीआई और डिप्लोमा धारकों के लिए लखनऊ में ही रोजगार का बेहतरीन अवसर सामने आया है। मंगलवार को सरोजनी नगर ब्लॉक परिसर में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 10 नामी कंपनियां 400 से अधिक पदों पर युवाओं की भर्ती करेंगी। खास बात यह है कि इनमें 70 प्रतिशत पद लखनऊ में ही तैनाती के लिए निर्धारित हैं। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के सहायक निदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि हाईस्कूल, इंटर, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्नातक डिग्री धारक युवक–युवतियां इस मेले में भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद, अभ्यर्थी अपनी सीवी की प्रतियां और मूल शैक्षिक प्रमाणपत्र लेकर मेले में सीधे शामिल हो सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः निरूशुल्क है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में प्रज्ञान ग्लोबल, पेटीएम, इंस्टा ह्यूमन, ओसियन सर्विसेस, वीविंग, औडाज, जय भारत, टाइम्स प्रो और एस कंस्ट्रक्शन जैसी कंपनियां मेले में शामिल होंगी।

छागूर पीर बाबा पर कार्यवाही नहीं हुई तो सड़कों पर होंगा उग्र आन्दोलन सी बी आई और एन आई ए से जांच कराने के लिए मांग की।

उतरौला बलरामपुर उत्तर प्रदेश के बलराम पुर जिले में स्थित थाना कोतवाली उतौल में गजवा–ए–हिंद केषड्यंत्र का एक सनसनी खेज को खुलासा करते हुए विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मधुपुर के निवासी कथि त पीर छांगुर बाबा को धर्मांतरण का मास्टर माइंड बताते हुए उस पर हजारों हिन्दुओं को फर्जी चमत्कारों, धन की लालच और डर के जरिए इस्लाम कबूल करवाने का गम्भीर आरोप लगाया है। जिस मे प्रमुख सहयोगी मोहम्मद अहमद खान और अब्दुल माबूद रजा है।ये मास्टर माइड के प्रमुख गुर्गे है।श्री राय ने कहा कि यह केवल धर्मांतरण नहीं,यह सीधे–सीधे भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के गजवा–ए–हिन्द अभियान का एक बड़ा हिस्सा है। छांगुर पीर जैसे ढोंगी मौलाना रूपी जेहादी उतरौला को कश्मीर और केरल बना ना चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़ि तों में गरीब,दलित, वन वासी और महिला वर्ग के ही सबसे ज्यादा हैं, जिन्हें झाड़–फूंक, चमत्कार आर्थिक लाभ और दुआ का झांसा देकर इस्लाम की ओर घसीटा जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ धार्मिक परि वर्तन नहीं, यह एक तरह का मानसिक आतंकवाद का हिस्सा है, और यदि समय रहते प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दिया, तो उत्तर प्रदेश की कई तहसीलें आतंकवाद की नर्सरी बन जाएंगी।गोपाल राय ने पुलिस प्रशासन को 72 घंटे का अल्टी मेटम देते हुए कहा कि अगर छांगुर पीर पर सख्त कार्यवाही नहीं हुई, तो विश्व हिन्दू रक्षा परिषद बलरामपुर सहित पूरे प्रदेश में चक्का जाम, तालाबंदी और उग्र आंदोलन छेड़ेगी। उन्हों ने यह भी मांग की है कि इस मामले की जांच सी बी आई व एन आई ए से कराई जाए क्यों कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और सनातन अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कुलदीप मिश्रा, सचिन मिश्रा, शिखर गुप्ता, राकेश कुमार त्रिवेदी, सत्या पाण्डेय, तपस्वी तिवारी, अजय प्रताप सिंह, शशांक गुप्ता, योगेश शास्त्री, राजेन्द्र मिश्रा, अश्वनी मिश्रा, संजय मिश्रा, राजेश कुमार गुप्ता, संग्राम सिंह, जाफर नकवी, एडवोकेट तनवीर रजा, बाबी गुप्ता, राजेश वर्मा, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बालाजी पैलेस काशी महमूरगंज मे हुआ मेले का शुभारंभ

वाराणसी राजेश सेठ

दीपक बजाज,उमा बजाज,पूजा मधोक एवम डाक्टर मोनिका गुप्ता रहे मुख्य अतिथि।

वाराणसी मारवाड़ी युवा मंच अन्नपूर्णा शाखा द्वारा हुनर की एक नई पहचान मेला हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया 24 जून को किया गया इसका शुभारंभ आज सुबह 11 बजे बालाजी पैलेस काशी – महमूरगंज में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

दीपक बजाज, उमा बजाज, डॉ मोनिका गुप्ता संवेदना हॉस्पिटल, पूजा मधोक एवं रानिका जायसवाल रही इस मेले के आयोजन का उद्देश्य लोगों की सहायता करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है एवं इसमें त्योहारों को भी ध्यान रखकर इस मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में विभिन्न जगहों से स्टॉल लगाये गये जैसे दिल्ली, कोलकाता,भदोही, इंदौर, झारखंड, प्रयागराज, एवं अन्य शहरों के लोगों की हस्त निर्मित कलाओं का अनूठा संग्रह यहां देखने को मिला साथ साथ साड़ी बंधनवार भगवान की पोशाक कस्टमाइज आइटम, बेडशीट, कुर्ती, चिकनकारी, चप्पल, ज्वेलरी इत्यादि का एक ही स्थान पर उपलब्ध रही। यह मेला एक दिवसीय था। इस मेले की संयोजिका रुचि पोद्दार, प्रीति कनोड़िया स्नेहा अग्रवाल जयश्री जैन रही। इसका संचालन शाखा की सचिव नैना जैन एवं प्रीति प्रहलादका के द्वारा एवं कनक खंडेलवाल, जया बसिया रितु केडिया, निधि केडिया, सुनीता अग्रवाल, गुंजन सोनथारिया उपस्थित रहकर के किया । यह जानकारी शाखा की श्वेता अग्रवाल ने दी है। अतिथियों का स्वागत शाखा की अध्यक्ष पूजा खेमका ने किया।

टैगिंग तथा उर्वरकों की कालाबाजारी को रोकने के सम्बन्ध में जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं की एक आवश्यक बैठक

श्रवस्ती, 24 , जून, 2025। सू0वि0। संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक), उ०प्र० कृषि भवन, लखनऊ के निर्देश के क्रम में ओवररेटिंग, टैगिंग तथा उर्वरकों की कालाबाजारी को रोकने के सम्बन्ध में जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं की एक आवश्यक बैठक अधोहस्ताक्षरी के अध्यक्षता में आहूत की गयी, जिसमें जनपद के उर्वरक निरीक्षक अधिकारी, श्री अश्वनी कुमार, व०प्रा० सहा०ग्रुप–ए, उर्वरक सहायक श्री रविशंकर शुक्ला एवं श्री महेन्द्र प्रताप सिंह व जनपद के थोक उर्वरक विक्रेता मे० सूरजमल मोहनलाल, मे० अग्रवाल फर्टीलाजर, मे० नईमी खाद बीज भण्डार, मे० बाबूलाल अमूल रतन, मे० पाण्ड्येय किसान सेवा केन्द्र, मे० गुप्ता खाद बीज भण्डार, मे० रामचन्द्र एण्ड कम्पनी एवं मे० अब्दुल कयूम उपस्थित रहें। अधोहस्ताक्षरी थोक उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि जनपद में फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरकों की आपूर्ति करते समय किसी अन्य उत्पादों की टैगिंग न की जाएं। फुटकर उर्वरक व्यवसाईयों को निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक की आपूर्ति की जाये। निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरक आपूर्ति किये जाने अथवा अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग किये जाने की कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित थोक उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी, साथ ही समस्त थोक उर्वरक विक्रेता अपना स्टॉक, वितरण रजिस्टर व कैशमेमो अद्यतन करें।

भाजपा ने विधायक को दिया नोटिस,

लखनऊ (संवाददाता)। ट्रेन में यात्रा के दौरान कुछ लोगों से मारपीट करने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बबीना (झांसी) के विधायक राजीव परीक्षा को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। पार्टी की ओर से विधायक को सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री और मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला की ओर से जारी पत्र में विधायक के इस आचरण को पार्टी की छवि के लिए नुकसानदेह और अनुशासनहीनता माना गया है। पत्र में कहा गया है कि समय से स्थिति स्पष्ट न करने पर विधायक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ बयानबाजी करने के मामले में मथुरा की पूर्व जिलाध्यक्ष मधु शर्मा को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें भी सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है।

सौतेले पिता ने बेटी को चाकुओं से गोदकर मार डाला, बचाने में मां भी हुई घायल, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। महानगर के विज्ञानपुरी कॉलोनी में बीती रात एक पिता ने सौतेली बेटी को चाकू गोदकर मार डाला। आरोपी ने किचन में रखे दो अलग अलग चाकू से वार किया था। बेटी को बचाने आई उसकी मां भी हमले में घायल हो गईं।

पुलिस ने आरोपी सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी मध्य आशीष कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक रेखा राजपूत विज्ञानपुरी कॉलोनी में बेटी सिमरन (19) के साथ रहती थीं। पति जागेश सिंह राजपूत के देहांत के बाद रेखा ने एक साल पहले विकास चंद्र पाडेय से दूसरी शादी की थी। सोमवार रात करीब पौने आठ बजे विकास भी रेखा के घर पर मौजूद था। रेखा ने बताया कि सिमरन मोबाइल फोन चला रही थी। विकास को लगा कि वह फोन पर किसी से बात कर रही है। इसको लेकर विकास ने सिमरन को टोका। इस पर दोनों में बहस हो गई। विकास ने सिमरन को घर से निकल जाने के लिए कहा। इसके बाद दोनों में विवाद बढ़ गया। गुस्से में विकास किचन से चाकू लेकर आया और सिमरन पर ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। बेटी की चीख सुनकर रेखा वहां पहुंचीं तो देखा कि विकास सिमरन के गर्दन पर चाकू से हमला कर रहा था। रेखा ने बेटी को बचाने की कोशिश की तो उसने रेखा पर भी

हमला बोल दिया। हमले में रेखा के हाथ पर गंभीर चोट आई है। सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी से बीसीए की छात्रा थी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो सिमरन खून से लथपथ पड़ी थी। सिमरन को पुलिस जीप से अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी विकास को दबोच लिया। मामले पर डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि युवती की मां रेखा राजपूत ने आरोपी विकास चंद्र पांडेय से दूसरी शादी की थी। इस रिश्ते और विरासत को लेकर विवाद हुआ जिस पर आरोपी ने युवती की चाकू से वारकर हत्या कर दी। इस दौरान बेटी को बचाने की कोशिश में मां भी घायल हो गई। युवती को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से खून से सने चाकू मिले हैं जिन्हें फोरेंसिक टीम ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। रेखा ने जब से विकास से शादी की थी तब से सिमरन खुश नहीं थी। घटनास्थल पर पहुंचे एसीपी गंज विकास जायसवाल ने आरोपी से पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि सिमरन का अक्सर उसके सौतेले पिता से विवाद होता था। इसके पहले भी दोनों में कई बार कहासुनी हो चुकी थी। विकास का टोकना सिमरन को अच्छा नहीं लगता था। यही नहीं, विकास कोई काम नहीं करता था। वह रेखा की प्रॉपर्टी पर हक जमाता था।

हमले में रेखा के हाथ पर गंभीर चोट आई है। सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी से बीसीए की छात्रा थी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो सिमरन खून से लथपथ पड़ी थी।

बुधवार को लालगंज पेट्रोल पम्प के सामने रायल हेरिटेज मैरेज हॉल में जिला गोष्ठी कार्य किया जाएगा।

उतरौला बलरामपुर

दिनांक 25 जून 2025 को दोपहर लगभग 3 बजे ग्राम लालगंज पैट्रोल पम्प के सामने रॉयल हेरिटेज मैरेज हाल में जिला संगोष्ठी का कार्यक्रम रखा गया है और साथ ही साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस भी किया जायेगा। जिसमे मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री जिला प्रभारी मंत्री मान नीय राकेश सचान, क्षेत्रीय मंत्री विकास सिंह एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रवि कुमार मिश्र उतरौला के लोक प्रिय विधायक राम प्रताप वर्मा, बलरामपुर सदर विधायक पल्टू राम, तुलसीपुर के विधायक कैलाश नाथ शुक्ला , गैसड़ी पूर्व विधायक शैलेश कुमार उर्फ शैलू सिंह भी उपस्थित रहेंगे जिसमे आप सभी पत्र कार बंधु प्रेस कॉन्फ्रेंस में समय से पहुँचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाए।

काशी के श्रेयांश को यूपीएससी परीक्षा में मिलीं 87वीं रैंक।

वाराणसी राजेश सेठ

वाराणसी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में सुंदर विहार कालोनी केराकतपुर लोहता निवासी श्रेयांश शर्मा को राष्ट्रीय स्तर पर 87वीं रैंक मिली है। उनका चयन सेंट्रल आर्मेड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) विभाग में असिस्टेंड कमांडेंट के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर पिता रविंद्र प्रताप विश्वकर्मा, माता अर्चना शर्मा, बहन शिवांगी शर्मा के साथ ही सरिता ने भी बधाई दी है। श्रेयांश ने कक्षा 10वीं तक सेंट जांस मढ़ौली, इंटर तक सनबीम लहरतारा व बीटेक की पढ़ाई एनआइटी रायपुर से की है। उसके बाद इन्होंने करीब डेढ़ वर्ष तक प्राइवेट सेक्टर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की तरह काम किया और फिर यूपीएससी की तैयारी के लिए प्रयत्न किया, बताया कि यूपीएससी की परीक्षा में बेहतर परिणाम आने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर सेवा करने का मौका मिलेगा । इसका श्रेय उन्होंने अपने माता–पिता एवं सगे संबंधियों और मित्रों को दिया।

इस बार हर तहसील में होगी बाढ़ आपदा से बचाव मॉकड्रिल

'जमुनहा में मधवापुर घाट, भिनगा में मोहम्मदपुर कला, इकौना में लयबुड़वा गांव में होगी मॉकड्रिल

आज जनपद को बाढ़ आपदा से बचाने के लिए राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल की टेबल टॉप एक्सरसाइज एन आइ सी सभागार में संपन्न हुई। टेबल टॉप एक्सरसाइज की राज्य स्तर पर अध्यक्षता उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल श्री योगेन्द्र डिमरी एवं राहत आयुक्त भानू चंद्र गोस्वामी ने की । जनपद में टेबल टाप एक्सरसाइज में सभी संबंधित विभाग अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 अमरेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में सम्मिलित हुए।

भावी मॉक एक्सरसाइज के संबंध में अवगत कराते हुए अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि – 'शासन से प्राप्त निर्देश के अनुसार इस बार यह मॉकड्रिल सभी तहसीलों में अलग अलग स्थितियों पर मॉकड्रिल कराकर तैयारियों को परखा जायेगा । जमुनहा में मधवापुर घाट पर सड़क कटने की संभावना की दृष्टिगत सड़क को सुचारू करने की मॉकड्रिल होगी । साथ ही भिनगा तहसील में मोहम्मदपुर कला में तटबंध टूटने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षित बचाने की दृष्टि से मॉकड्रिल होगी । तहसील इकौना में लयबुड़वा गांव बाढ़ की दृष्टिगत बहुत संवेदनशील है वहां पर गांव में पूर्व सूचना पहुंचाने तथा ग्रामीणों को बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ शरणालय पहुंचाने की मॉकड्रिल होगी । मॉकड्रिल से सभी तहसीलों की तैयारियां समझने में मदद होगी अगर कोई कमी प्रकाश में आयेगी तो उसे दूर कर लिया जायेगा ।'

डिफेंस कॉरिडोर व इंटीग्रेटेड क्लस्टर की होगी पर्यावरण निगरानी, यूपीडा तैयार कराएगा रिपोर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के साथ–साथ पर्यावरण संबंधी पहलुओं की निगरानी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इन क्षेत्रों में पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए एक नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत इन क्षेत्रों की हर छह महीने में पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट तैयार की जाएगी। ये रिपोर्ट प्रमाणित प्रयोगशालाओं द्वारा तैयार की जाएंगी। ये प्रयोगशालाएं न केवल पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी करेंगी, बल्कि रिपोर्ट तैयार कर उसे ऑनलाइन अपलोड भी करेंगी। यह पहल डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) की परियोजनाओं के लिए लागू की गई है।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।